हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। विपक्षीगण को जवाब पेश करने के अनेक अवसर देने के बावजूद भी कोई जवाब पेश नहीं किया, अतः उनका जवाब बंद किया जाता है। वकील प्रार्थी ने बहस सुनने का निवेदन किया, जिसे स्वीकार किया जाकर वकील प्रार्थी की बहस सुनी गई। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली का अध्ययन, अवलोकन किया गया, जिससे जाहिर होता है कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य है। अतः नम्बरवरी निर्णय अलग से लिखा जाकर शामिल पत्रावली किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या से एक कम हो।	

Signature Not Verified

Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.07.04 14:54:18 IST
Reason: SelfAttested